ज्ञान दर्शन
समाचार बुलेटिन

मई, 2017 से अगस्त, 2017 तक
(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय
आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)
E-mail: gyanmv@gmail.com
Mobile: +91 9219419405
Website: www.gyanmahavidhyalaya.com
Gyan Parivar

NAAC ACCREDIATED GRADE-'A'

1. इंटैक हैरीटेज क्विज – 2017 का आयोजन :

26 अगस्त, 2017 को हमारे महाविद्यालय में इंटैक (इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरीटेज) के ब्रजभूमि रीजनल चैप्टर द्वारा इंटैक हैरीटेज क्विज–2017 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अलीगढ़ जिले के 10 सीनियर सेकेण्डरी स्कूल (थ्री डाट्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, हेरीटेज इन्टरनेशनल स्कूल, मदर टच स्कूल, द ब्लोसम्स स्कूल, विजडम पब्लिक स्कूल, शांति निकेतन वर्ल्ड स्कूल, डी.एस. बाल मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, आधार पब्लिक स्कूल व विश्व भारती पब्लिक स्कूल) के कुल 100 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इन विद्यार्थियों की 50 टीमें बनाई गई।

इस प्रतियोगिता में ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल क्वार्सी, रामघाट रोड के उत्कर्ष शर्मा व ऋषभ वार्ष्णेय की टीम ने विजेता बनकर बाजी मारी। विजेता टीम को सिटी चैम्पियन की ट्राफी व प्रमाण पत्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता द्वारा प्रदान किये गये। विजडम पब्लिक स्कूल की टीम के प्रभांशु सिंह व पारस चौहान की जोड़ी ने उप विजेता का

अनुक्रम

1.	इंटैक हैरीटेज क्विज – 2017 का आयोजन	1
2.	विभागीय गतिविधियाँ	
☛	ज्ञान आई.टी.आई. में कौशल मेले का आयोजन	2
☛	छः दिवसीय पतंजलि योग शिविर का आयोजन	2
☛	पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन	3
☛	ज्ञान आई.टी.आई. में कौशल मेले का आयोजन	4
☛	ज्ञान दीप आई.टी.आई. में कौशल मेले का आयोजन	4
☛	बी.टी.सी. प्रशिक्षुओं द्वारा जन जागरूकता रैली का आयोजन	4
☛	ज्ञान छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन	5
☛	बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का प्रतिभा परिचय समारोह	5
☛	राखी एवं कार्ड प्रतियोगिता का आयोजन	6
☛	रोजगार मेले में 145 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट	6
3.	विभिन्न त्यौहार, दिवस व उत्सव का आयोजन	7
☛	तीजोत्सव का आयोजन	7
☛	स्वतन्त्रता दिवस समारोह	7
4.	एन.एस.एस. एवं सामाजिक सरोकार समिति संबंधी कार्यक्रम	8
☛	एन.एस.एस. इकाई द्वारा वृक्षारोपण	8
☛	सामाजिक सरोकार समिति द्वारा वृक्षारोपण	8

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्रीगणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी परम्परा है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, चेयरमेन, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ० गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यों का निर्वहन डॉ० वी. के. वर्मा द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निदेशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

Scanned by CamScanner

खिताब जीता। इस जोड़ी को महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल द्वारा ट्राफी व प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। तीसरे स्थान पर विजडम पब्लिक स्कूल की मानवी सिंघल व गरिमा राजपूत की जोड़ी रही। इस जोड़ी को महाविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री आर.पी. सिंह द्वारा ट्राफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र दिये गये।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने विजयी और प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने महाविद्यालय की प्रगति और इंटैक ब्रजभूमि रीजनल चैप्टर के बारे में अवगत कराया। डॉ. सोमवीर सिंह के नेतृत्व में क्विज प्रतियोगिता के मूल्यांकन का कार्य किया गया। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल के प्राध्यापक मोहम्मद वाहिद ने किया। कार्यक्रम का संचालन जन्तु विज्ञान की प्राध्यापिका डॉ. ज्योति सिंह ने किया।

2. विभागीय गतिविधियाँ :

☛ **ज्ञान आई.टी.आई. में कौशल मेले का आयोजन :** 01 मई, 2017 को ज्ञान निजी आई.टी.आई. के प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र द्वारा ज्ञान महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कौशल मेले में प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण किट व टी–शर्ट वितरित की गयीं। मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि चौधरी नत्थी सिंह, विशिष्ट अतिथि देहरादून से पधारे उद्योगपति श्री अजय गुप्ता, शुभम गुप्ता, डॉ. गौतम गोयल, रितिका गोयल व श्री कृष्ण पाल सिंह 'लाला' प्रधान ने प्रशिक्षण किट भेंट की। कौशल मेले का संयोजन व कुशल संचालन डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री मनोज वार्ष्णेय ने पी.एम. के.वी.वाई व ज्ञान निजी आई.टी.आई. के पाठ्यक्रम के बारे में बताया। निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने कहा कि हुनरमंद युवाओं की उद्योगों को बड़ी आवश्यकता है, इसलिए यह प्रशिक्षण बेहद उपयोगी है। आई.आई.टी. दिल्ली के प्राध्यापक श्री गौरव प्रकाश ने "तकनीकी से रोजगार की संभावनाओं" पर प्रकाश डाला। उद्योगपति श्री शुभम् गुप्ता ने कहा कि सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्लेसमेंट की सुविधा भी है। वॉल कम्युनिकेशन के मार्केटिंग हेड श्री सुनील भाटी ने कहा कि कौशल विकास के पाठ्यक्रम युवाओं को आत्म निर्भर बनाएँगे, इसमें अस्सी फीसदी उपस्थिति अनिवार्य है।

मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि चौ. नत्थी सिंह ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं को स्वावलम्बी बनाना ही इस योजना का उद्देश्य है। राष्ट्रपति से सम्मानित विशिष्ट अतिथि चौ. कृष्णपाल सिंह 'लाला' प्रधान ने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब भारत युवा शक्ति के बल पर विश्व शक्ति बनेगा। मजदूर दिवस पर बोलते हुए डॉ. ललित उपाध्याय ने कहा कि–

मैं मजदूर हूँ, मजबूर नहीं,
यह कहने मैं मुझे शर्म नहीं।
अपने पसीने की खाता हूँ,
मैं मिट्टी को सोना बनाता हूँ।।

इस अवसर पर अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों को किट वितरित किए। कौशल मेले में ज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता, डॉ. सतेन्द्र चौधरी, श्री पंकज शर्मा, श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता, विमल कुमार, विवेक शर्मा, जहूर खान, दीपक कुमार, वीरेन्द्र सिंह, कपिल, रोहित, हरमेश, महेन्द्र कुमार माथुर सहित अनेक प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

☛ **छः दिवसीय पतंजलि योग शिविर का आयोजन :** बी.एड. के दो वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में छः दिवसीय योग शिविर का आयोजन 10 मई, 2017 से 15 मई, 2017 तक किया गया। योग शिविर का शुभारम्भ पतंजलि योग समिति अलीगढ़ के जिला एवं मण्डल प्रभारी श्री जय प्रकाश आर्य द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों को योग के बारे में बताया। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के सर्वश्री राकेश शर्मा (जिला संयोजक) भूदेव सिंह तथा शेर सिंह (योग शिक्षक) ने "विभिन्न योग आसनों का दैनिक जीवन में महत्त्व" पर प्रकाश डाला।

शिविर के दूसरे दिन श्री जय प्रकाश आर्य ने चित्त की प्रवृत्तियों के बारे में बताया। योग शिविर के सह–प्रभारी श्री जय सिंह राघव ने शिविर प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार की योगिक क्रियाओं एवं आसनों जैसे– अनुलोम–विलोम, प्राणायाम, कपालभाति, सिंहासन, हास्यासन, वक्र आसन, वाह्य–आसन, सूर्य नमस्कार तथा चित्त–वृत्तियों संबंधी

Scanned by CamScanner

योगाभ्यास कराये।

शिविर के तीसरे दिन श्री जय प्रकाश आर्य ने "चित्तवृत्तियों के निरोध के लिए आहार" पर विस्तृत चर्चा की; चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि सुबह का भोजन राजा के समान, दोपहर का भोजन वजीर के समान तथा शाम का भोजन फकीर के समान होना चाहिए। श्री जय सिंह राघव ने प्रतिभागियों को शीतलासन, कर्णासन, अनुलोम–विलोम, प्राणायाम, वाह्य आसन, कपालभाति, हास्यासन, वक्रआसन, सूर्य नमस्कार तथा चित्त वृत्तियों से संबंधित योगाभ्यास कराये।

शिविर के चौथे दिन श्री जय सिंह राघव ने प्रतिभागियों को शस्त्रिका प्राणायाम, वाह्य–आसन, कपालभाति तथा अनुलोम–विलोम आदि के अभ्यास कराये। जिला महिला प्रभारी श्रीमती ज्ञानवती शर्मा ने पंच महाभूत से संबंधित योग मुद्राओं के बारे में बताने के साथ–साथ एक्यूप्रेशर द्वारा विभिन्न बीमारियों के निदान के बारे में बताया। योग शिक्षक श्री हरिओम जी ने सिर के दर्द को एक्यूप्रेशर से ठीक करने के तरीके बताये। योग समिति संरक्षक श्री चन्द्र पाल जी एवं योग शिक्षिका माधुरी गुप्ता ने योगिक क्रियाओं को सही ढंग से करने में प्रतिभागियों का सहयोग किया।

शिविर के पाँचवे दिन श्री जय प्रकाश आर्य ने चित्तवृत्तियों को व्यायाम के माध्यम से नियन्त्रित करने के उपायों पर प्रकाश डाला। श्री जय सिंह राघव ने अनुलोम–विलोम, वाह्य आसन, कपालभाति, हास्यासन, सूर्य नमस्कार तथा चित्तवृत्तियों से संबंधित योगाभ्यास कराये।

शिविर के छठवें तथा अन्तिम दिन श्री जय प्रकाश आर्य ने यज्ञ किया तथा सभी प्रतिभागियों को पाँच प्रकार के यज्ञ–ब्रह्म यज्ञ, अग्निहोत्री यज्ञ (देव यज्ञ), वल वैश्य देव यज्ञ, पित्त यज्ञ व अतिथि यज्ञ के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ये पाँचों यज्ञ प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन करने चाहिए। समापन के अवसर पर योग शिविर के सह प्रभारी श्री जय सिंह राघव व जिला महिला प्रभारी श्रीमती ज्ञानवती शर्मा भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के प्राध्यापक भी उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने प्रशिक्षक दल का आभार व्यक्त किया तथा विश्वास व्यक्त किया कि सभी प्रतिभागी योग को अपने–अपने जीवन का अंग बनायेंगे। इस प्रकार बी.एड. की विभागाध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी के निदेशन तथा प्राध्यापिका कु. कविता चौधरी एवं श्री कृष्ण देव सिंह के संयोजन में चले छः द्विवसीय योग शिविर का समापन हुआ।

☛ **पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन :** 03 जून, 2017 को महाविद्यालय के बी.टी.सी. विभाग में विश्व पर्यावरण विषयक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.टी.सी. बैच 2014 व 2015 के सभी प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने पर्यावरण में हो रहे ह्रास के दुष्परिणाम, कारण और निवारण पर रंगीन पोस्टरों के माध्यम से अपने–अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में डॉ. रत्न प्रकाश (प्रकाशन विभाग) व बी.एड. संकाय की विभागाध्यक्षा डा. (श्रीमती) आभाकृष्ण जौहरी ने पोस्टरों का अवलोकन किया। जिसमें मोनिका शर्मा प्रथम, रेशू गुप्ता द्वितीय, अपर्णा कुशवाहा तथा सुरभि रानी तृतीय स्थान पर रहे। साथ ही दुष्यन्त कुमार ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय में पर्यावरण संबंधी गोष्ठी का आयोजन किया।

महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी ने कहा कि सभी प्रशिक्षु पर्यावरण संरक्षण में यथोचित योगदान करें

Scanned by CamScanner

तथा अपने पड़ोसी एवं महाविद्यालय के निकटवर्ती क्षेत्रों में जाकर वहाँ के निवासियों को जागरूक करें। बी.टी.सी. विभाग के विभागाध्यक्ष श्री आर.के. शर्मा ने बताया कि बी.टी.सी. के विद्यार्थी महाविद्यालय के निकटवर्ती गाँव बढ़ौली फतेहखाँ में 05 जून को रैली का आयोजन कर ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करेंगे। प्रतियोगिता का संयोजन प्राध्यापक श्री ललित कुमार ने किया।

☛ **ज्ञान आई.टी.आई. में कौशल मेले का आयोजन :** 04 जून, 2017 को महाविद्यालय परिसर स्थित ज्ञान प्राइवेट आई.टी.आई. में आयोजित कौशल मेले में भाग लेकर सैकड़ों युवाओं ने विकास के गुरू मंत्र सीखे। इस मेले में श्री अनिल पाराशर (विधायक–कोल) ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

विशिष्ट अतिथि श्री अमर पाल सिंह (ग्राम प्रधान–मुकुन्दपुर) ने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ग्रामीण युवाओं को नई दिशा दे रही है। आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री मनोज वार्ष्णेय ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की विस्तार से जानकारी दी तथा जुलाई 2017 से प्रारम्भ होने वाले प्रशिक्षण में नामांकन हेतु युवाओं से अपील की। बाल कम्युनिकेशन के प्रतिनिधि श्री सुनील भाटी ने कौशल मेले के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के लक्ष्यों से उपस्थित व्यक्तियों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि श्री अनिल पाराशर जी तथा श्री योगेन्द्र सिंह (लालू जी) ने नए प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण किट प्रदान की। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने परिंदों की परवरिश हेतु प्रशिक्षणार्थियों को दाना–पानी पात्र वितरित किए। इस मेले में कौशल विकास केन्द्र तथा ज्ञान आई.टी.आई. के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि हुनरमन्द युवा ही देश का भविष्य हैं, इस योजना से हजारों युवा स्वरोजगार व नौकरी पाकर आत्म निर्भर वन सकेंगे। ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल एवं श्रीमती रितिका गोयल ने आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

☛ **ज्ञान दीप आई.टी.आई. में कौशल मेले का आयोजन :** 04 जून, 2017 को हमारे महाविद्यालय के सहयोगी संस्थान ज्ञान दीप आई.टी.आई. नगला उम्मेद रूहेरी (हाथरस) में आयोजित कौशल मेले में हाथरस के विधायक श्री हरी शंकर माहौर ने मुख्य अतिथि तथा दयानतपुर के प्रधान प्रतिनिधि सर्वश्री मुकेश रावत तथा रामनिवास रावत ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रभारी श्री सत्यवान उपाध्याय ने योजना की विस्तार से जानकारी देते हुए जुलाई 2017 से प्रारंभ होने वाले प्रशिक्षण में नामांकन के लिए युवाओं से अपील की। ज्ञान दीप आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री धर्मवीर सिंह ने इलैक्ट्रीशियन व फिटर पाठ्यक्रम संबंधी रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। बाल कम्युनिकेशन के सर्वश्री अजीत सिंह व दिनेश कुमार ने कौशल मेले के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के लाभ बताये। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल तथा मुख्य अतिथि ने युवाओं को प्रशिक्षण किट दिए। इस अवसर पर आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा श्रीमती रितिका गोयल के साथ–साथ ज्ञान दीप आई.टी.आई. तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र के प्रशिक्षक (अनुदेशक) एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। अन्त में चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने आगन्तुकों को धन्यवाद दिया।

☛ **बी.टी.सी. प्रशिक्षुओं द्वारा जन जागरूकता रैली का आयोजन :** 05 जून, 2017 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हमारे महाविद्यालय के बी.टी.सी. बैच 2014 व 2015 के प्रशिक्षुओं ने निकटवर्ती गाँव–बढ़ौली फतेहखाँ में जन जागरूकता रैली का आयोजन कर ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। बढ़ौली फतेहखाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती मिथलेश देवी ने अपने गाँव के परिषदीय प्राथमिक विद्यालय से रैली की शुरूआत करायी। श्रीमती मिथलेश देवी ने कहा कि अच्छे पर्यावरण के बिना मानव जीवन के अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती, उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण पर जोर दिया तथा प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने रैली को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है।

रैली के दौरान प्रशिक्षु निम्नांकित नारों के पोस्टर लिए हुए थे।, ये नारे रैली में लगाये भी गए–

❖ **पर्यावरण का रखें ध्यान, तभी बनेगा देश महान**

❖ **पेड़–पौधे मत करो नष्ट, साँस लेने में होगा कष्ट**

Scanned by CamScanner

❖ **पर्यावरण की हो सुरक्षा, इससे बढ़कर नहीं कोई तपस्या**

रैली का समापन परिषदीय प्राथमिक विद्यालय में हुआ। यहाँ ग्रामीणों के साथ संबंधित गोष्ठी का आयोजन कर पर्यावरण के बारे में चर्चा की गयी। इस रैली में बी.टी.सी. के प्राध्यापक सर्वश्री रामकिशन शर्मा, ललित कुमार, रवि कुमार, श्रीमती शोभा सारस्वत तथा सविता गुप्ता ने भी प्रतिभाग किया।

☛ **ज्ञान छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन :** 08 जुलाई, 2017 को हमारे महाविद्यालय की पुरातन छात्र समिति ने महाविद्यालय परिसर में ज्ञान छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया। महाविद्यालय के पुरातन छात्र अथवा महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गाँव के वे विद्यार्थी जिन्होंने सत्र 2017–19 में हमारे महाविद्यालय में बी.एड. में प्रवेश लिया है– इस छात्रवृत्ति परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अर्ह थे।

उपर्युक्त परीक्षा में सम्मिलित हुए सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने पाँच–पाँच

हजार रूपये का चैक छात्रवृत्ति के रूप में दिया। चेयरमेन महोदय, प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, उप प्राचार्य तथा बी.एड. की विभागाध्यक्षा ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत तथा श्रीमती पूनम माहेश्वरी ने किया।

☛ **बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का प्रतिभा परिचय समारोह :** 01 अगस्त, 2017 को हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में बी.एड. सत्र–2017–2019 के विद्यार्थियों हेतु प्रतिभा परिचय समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्रवन्ध समिति के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, प्रबन्धक श्री मनोज यादव तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता के साथ सभी संकायों के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने इस समारोह में प्रतिभाग किया। प्रबंध समिति के उपर्युक्त पदाधिकारी तथा प्राचार्य जी के स्वागत एवं अन्य औपचारिकताओं के बाद समारोह की संयोजिका एवं संगीत की प्राध्यापिका डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने प्रतिभा परिचय के महत्व पर प्रकाश डाला।

बी.एड. की छात्रा डौली राजपूत ने– "माँ शारदे तुम्हें आना होगा, वीणा मधुर बजाना होगा" सस्वर गाकर सरस्वती वन्दना की। बी.एड. की छात्रा अंजू कुमारी तथा वंदना तोमर ने स्वागत गीत गाया। प्रतिभा परिचय हेतु विद्यार्थियों को पाँच समूहों में बाँटा गया। समूह–01 के विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना–अपना परिचय दिया, इस परिचय में प्रत्येक विद्यार्थी ने अपना नाम, पिता का नाम, निवास स्थान, पास की गयी अन्तिम परीक्षा आदि का उल्लेख किया। कुछ विद्यार्थियों ने परिचय के दौरान गीत तथा कविता भी सुनायी। वाणिज्य संकाय के प्रभारी श्री राजेश कुमार कुशवाहा अपने संकाय के प्राध्यापकों के साथ मंच पर आये तथा इन प्राध्यापकों का परिचय नवागन्तुक विद्यार्थियों से कराया। इसके बाद बी.एड. की छात्रा भारती तोमर ने "साँवरी सूरत पै मोहन, दिल दिवाना हो गया" भजन सुनाकर श्रोताओं को भक्ति रस में डुबो दिया। इसके बाद विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. हुकुम सिंह चौधरी ने अपने संकाय के प्राध्यापकों के साथ मंच पर आकर प्राध्यापकों का परिचय कराया।

समूह–02 के विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना–अपना परिचय दिया। बी.एड. की छात्रा लक्ष्मी कुमारी, शिल्पी वार्ष्णेय तथा पूर्णिमा वार्ष्णेय ने समूह गीत

Scanned by CamScanner

"ताल से ताल मिला" पर नृत्य कर उपस्थित व्यक्तियों का मनोरंजन किया। बी.एड. (2015–17) के छात्र होमेन्द्र कुमार ने महाविद्यालय के संबंध में अपने अनुभव बताये, इन्होंने कठोर परिश्रम तथा स्वाध्याय पर जोर दिया। कला संकाय प्रभारी डॉ. वी.के. वर्मा ने अपने सहयोगी प्राध्यापकों का नवागन्तुक विद्यार्थियों से परिचय कराया। समूह–03 के विद्यार्थियों ने अपना–अपना परिचय दिया। ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने अपनी समिति के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

बी.टी.सी. विभाग के प्रभारी श्री राम किशन शर्मा ने अपने सहयोगी प्राध्यापकों का परिचय नवागन्तुकों से कराया और महाविद्यालय में स्थित IGNOU के विशेष अध्ययन केन्द्र का समन्वयक होने के नाते हमारे महाविद्यालय स्थित विशेष अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों से उपस्थित व्यक्तियों को अवगत कराया। बी.एड. (2015–17) की छात्रा पूनम कुमारी ने महाविद्यालय के संबंध में अपने प्रेरक अनुभव बताये। बी.एड. के नवागन्तुक छात्र धर्मेन्द्र गांधी ने हास्य रस की कविता सुनाकर उपस्थित व्यक्तियों को खिलखिलाने के लिए बाध्य कर दिया। नवागन्तुक छात्रा वैशाली, पारूल, रश्मि तथा प्रियंका ने समूह नृत्य प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी।

बी.एड. विभाग की प्रभारी डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी ने अपने विभाग के प्राध्यापकों से नवागन्तुकों का परिचय कराया तथा आशा व्यक्त की कि सभी नए विद्यार्थी अपने वरिष्ठ विद्यार्थियों की भाँति अपने व्यवहार से आदर्श उपस्थित करेंगे। इसके बाद समूह – 04 के विद्यार्थियों ने अपना–अपना परिचय दिया। बी.एड. की छात्रा नीलम पाल ने "तेरी चौखट पर आना मेरा काम है, मेरी बिगड़ी बनाना तेरा काम है।" भजन प्रस्तुत किया।

बी.एड. के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री लखमी चन्द्र ने वर्तमान में शिक्षा की दुर्दशा के कारणों पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ0 वाई. के. गुप्ता ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को व्यावहारिक सुझाव दिए। अन्त में चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने अपने उद्बोधन में टाइम मेनेजमेंट पर बल देने के साथ–साथ महाविद्यालय तथा ज्ञान आई.टी.आई. द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में बताया तथा विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवागन्तुक अच्छे नागरिक बनेंगे, उन्होंने अच्छे अध्यापकों की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम के अन्त में सभी को अल्पाहार दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड. के विद्यार्थी जया माहेश्वरी एवं गोपाल शर्मा ने किया।

☛ राखी एवं कार्ड प्रतियोगिता का आयोजन :

05 अगस्त, 2017 को बी0एड0 के विद्यार्थियों के लिए राखी एवं कार्ड बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की संस्कृति से जोड़कर रखना था।

राखी बनाने की प्रतियोगिता में बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्रा पूर्णिमा ने प्रथम, बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा रूबी एवं शालिनी सिंह ने द्वितीय तथा बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा वैशाली वार्ष्णेय एवं रोली राजपूत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चाँदनी यदुवंशी, शीतल चौधरी तथा तनु यादव को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया।

कार्ड बनाने की प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम वर्ष की वंदना तोमर प्रथम, सरिता कुमारी द्वितीय तथा नीलम पाल एवं चित्रांगना शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। डौली को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया।

उपर्युक्त दोनों प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में प्राध्यापिका श्रीमती शोभा सारस्वत तथा डॉ. नरेन्द्र सिंह रहे। प्रतियोगिता का संयोजन सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने किया।

☛ रोजगार मेले में 145 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट :

11 अगस्त, 2017 को महाविद्यालय परिसर स्थित ज्ञान आई. टी.आई. के कौशल विकास केन्द्र ने महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में रोजगार मेले का आयोजन किया। इस मेले में 145 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दिया गया। इनका चयन विभिन्न कंपनियों से आये प्रतिनिधियों ने साक्षात्कार के आधार पर किया। अनंत लर्निंग एण्ड डबलपमेंट, एस.आई. एस. सीक्योरिटी देहरादून, श्री राधे फर्टिलाइजर्स, यूरेका फोर्ब्स प्राइवेट लिमिटेड, जी 4 एस प्राइवेट लिमिटेड इंटरनेट ग्लोबल, आगरा रिलायंस इंश्योरेंस तथा शिखर इंफोटेक अलीगढ़ आदि कंपनियों के उच्च अधिकारियों ने इस मेले में भाग लिया। इन कंपनियों ने रिटेल सेल्स तथा डॉकूमेंटेशन असिस्टेण्ट कोर्स के विद्यार्थियों को रोजगार दिया। बाल

Scanned by CamScanner

कम्यूकेशन के मार्केटिंग हेड श्री सुनील भाटी ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार की जानकारी दी। इस अवसर पर ज्ञान वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट रूहेरी, हाथरस तथा ज्ञान आई.टी.आई. में सेवारत व्यक्ति भी उपस्थित थे। अन्त में ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ0 गौतम गोयल ने कंपनियों के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

३. विभिन्न त्योहार, दिवस तथा उत्सव आदि का आयोजन

तीजोत्सव का आयोजन : 26 जुलाई, 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में तीजोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से जोड़ने के साथ–साथ उन्हें पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रेरित करना था। इस उत्सव में महाविद्यालय के सभी संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें सुरभि, सिराली, दिशू कुमार, रोली, नीलम, प्रियंका, कविता, पूर्णिमा एवं पूनम ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी।

अनेक विद्यार्थियों ने लोक गीत तथा सावन की मल्हारें गाकर कार्यक्रम को मनोरंजक बनाया। अनेक विद्यार्थियों ने नृत्य एवं कविताओं के माध्यम से उत्सव को रोचक बनाया। उत्सव का संयोजन सांस्कृतिक समिति की प्रभारी डॉ0 मुक्ता वार्ष्णेय एवं उनके सहयोगियों ने किया तथा संचालन देवेन्द्र एवं पूनम चौधरी ने किया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह : 15 अगस्त, 2017 को हमारे महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। महाविद्यालय परिसर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने सभी संकायों के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। इसके बाद का कार्यक्रम स्वराज्य सभागार में हुआ। संयोग से इस बार स्वतन्त्रता दिवस तथा श्री कृष्ण जन्माष्टमी एक ही दिन हैं।

बी.एड. की छात्रा रोली राजपूत ने कृष्ण भक्ति का गीत (मुरली की मधुर सुना दे तान) सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, प्राध्यापिका डॉ. संध्या सैंगर ने स्वतन्त्रता संग्राम के शहीदों को स्मरण कर स्वच्छ भारत अभियान की वकालत की। डॉ. विवेक मिश्रा ने कहा कि आजादी के समय देश का विभाजन करने से देश कमजोर हुआ। समाज में दहेज प्रथा जैसी बुराइयाँ आज भी हैं। हमें पर्यावरण बचाना है तथा भ्रष्टाचार मिटाना है। डॉ. बीना अग्रवाल ने कहा कि आजादी के बाद भी अधिकांश लोगों की मानसिकता नहीं बदली हैं, उन्होंने आजादी कायम रखने पर जोर दिया। डॉ. नरेन्द्र सिंह ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से दुश्मन देशों को ललकारते हुए कहा–

"हमने हाथ चूड़ियाँ नहीं पहनी,
कोई धोखे में मत रहियो" तथा
"ये कश्मीर तेरे बाप की जागीर नहीं लाला
ये पहले भी हमारी थी और आज भी हमारी है"

सुनाकार श्रोताओं को गद्‌गद कर दिया। श्रीमती पूनम माहेश्वरी ने कहा कि आज हम विकल्प चुनने के लिए स्वतन्त्र हैं, यदि हम दबाव में जीते हैं, तो स्वतन्त्र नहीं हैं।

डॉ. रत्न प्रकाश ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आजादी का अधिकांश लाभ साधन सम्पन्न लोगों को हुआ है, उन्होंने बढ़ती हुयी आर्थिक असमानता पर खेद व्यक्त किया। बी.एड. के छात्र लखवीर सिंह (लक्खा) ने शहीद ऊधम सिंह से संबंधित कविता सुनाकर आत्म बलिदान की प्रेरणा दी। इसके बाद बी.एड. की छात्रा रश्मि शर्मा, नीलम पाल, रोली राजपूत, अंजू कुमारी तथा वंदना तोमर ने देश भक्तिपूर्ण गीत–

"चित्रकार तू चित्र बना दे, उन सैनिक मतवालों का"
मातृभूमि हित बलवेदी पर शीश चढ़ाने वालों का"

सुनाया। गीत की प्रस्तुति के साथ ऋतु सिंह ने शहीद भगत सिंह का चित्र बनाकर सभी को आकर्षित किया।

बी.एड. विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी ने तिरंगा के इतिहास तथा अधिकार की भूमिका पर प्रकाश डाला। उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने,

Scanned by CamScanner

"मेरा परिचय इतना है मैं भारत की तस्वीर हूँ
उन वीरों का बेटा हूँ जो हँसकर फाँसी चूम गये"

कविता सुनाकर श्रोताओं के मन में देशभक्ति की भावना जाग्रत की। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने अपने उद्‌बोधन में अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों पर जोर दिया तथा सद्‌व्यवहार व ईमानदारी की वकालत की। कार्यक्रम के अन्त में सभी को मिष्टान्न वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र सिंह ने किया तथा पूरे समारोह का संयोजन प्राध्यापिका डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने किया।

4. एन.एस.एस. एवं सामाजिक सरोकार समिति संबंधी कार्यक्रम

☛ **एन.एस.एस. इकाई द्वारा वृक्षारोपण :** 31 जुलाई, 2017 को हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के स्वेच्छासेवियों ने महाविद्यालय परिसर में गुलमोहर, अशोक, सेमल पहाड़ी, एलिस्टोनिया तथा गुलफर्नूस के पौधे लगाये। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया। उन्होंने स्वेच्छासेवियों को संबोधित करते हुए कहा कि "एक व्यक्ति–एक पौधा" का चलन पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक स्वेच्छासेवी को दस–दस पौधों के रखरखाव की भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने अमलतास, तुलसी, नीम, पीपल तथा कनेर आदि प्रजाति के पौधों के लाभ विद्यार्थियों को बताये। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने स्वेच्छासेवियों से कहा कि वृक्ष दान महादान होता है इसलिए इस अभियान में सभी व्यक्तियों का सहयोग आवश्यक है।

☛ **सामाजिक सरोकार समिति द्वारा वृक्षारोपण:** 12 अगस्त, 2017 को हमारे महाविद्यालय की ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति ने महाविद्यालय में पर्यावरण जागरूकता के संबंध में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रख्यात पर्यावरणविद् श्री सुबोध नन्दन शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि महोदय के निर्देशन में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। मुख्य अतिथि महोदय की राय के अनुसार विद्यार्थियों ने रोपित पौधों के रख रखाव की जिम्मेदारी भी ली।

वृक्षारोपण के बाद महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में उपर्युक्त सभी व्यक्तियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन

में पर्यावरण संरक्षण के उपाय एवं उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंन युवा पीढ़ी से अपील की कि वे अपने पूर्वजों द्वारा संरक्षित पर्यावरण सम्पदा को कायम रखते हुए भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण सम्पदा में वृद्धि करें अन्यथा भावी पीढ़ी को अत्यधिक अप्रत्याशित कष्ट झेलने पड़ेंगे। उन्होंने पर्यावरण से संबंधित अपने जीवन के अनेक अनुभव उपस्थित व्यक्तियों को बताये। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने भी अपने उद्‌बोधन में मुख्य अतिथि द्वारा कही गई बातों का समर्थन किया और उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे मुख्य अतिथि द्वारा बताई गई बातों पर अमल करें। बी.एड. की विभागाध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी ने वायु प्रदूषण तथा ध्वनि प्रदूषण के दुष्परिणामों के बारे में बताया। हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने पर्यावरण के संबंध में विभिन्न लेखकों तथा कवियों के कथनों के उद्धरण प्रस्तुत किये। अन्त में सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने सामाजिक सरोकार समिति द्वारा किये जा रहे सभी कार्यों का उल्लेख करने के उपरान्त मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया।

Scanned by CamScanner